30 सितम्बर, 2014 को ग्लोबल शेपर्स कम्युनिटी के इंदौर केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

1. ग्लोबल शेपर्स कम्युनिटी के इंदौर केंद्र के उद्घाटन के शुभ अवसर पर आज यहाँ आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है और मैं आयोजकों को धन्यवाद देती हूँ कि उन्होंने मुझे इस समारोह में आमंत्रित किया। सबसे पहले मैं वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम और इस समारोह से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई देती हूँ कि उन्होंने इंदौर केंद्र का शुभारम्भ कर एक और सफलता प्राप्त की है।

2. मुझे यह जानकर ख़ुशी हुई है कि वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम में शामिल मल्टी स्टेकहोल्डर वर्गों में से एक, ग्लोबल शेपर्स कम्युनिटी भारत के अनेक शहरों में नेटवर्क का विस्तार कर रही है। यह वास्तव में बड़ी अच्छी बात है कि प्रोफेसर क्लॉस श्वेब द्वारा स्थापित वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम वैश्विक, क्षेत्रीय और औद्योगिक एजेंडा तैयार करने के लिए राजनीति, व्यापार, शिक्षा और समाज के अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोगों की सहायता लेकर सरकारी-निजी सहयोग से विश्व की स्थिति को सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है। इस फोरम ने प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के निकट सहयोग से कार्य करते हुए शासन के उच्च मानकों का पालन कर समूचे विश्व के कल्याण हेतु उद्यमशीलता को बढ़ावा दिया है।

3. वर्ष 2011 में स्थापित और 355 से अधिक केन्द्रों वाली ग्लोबल शेपर्स कम्युनिटी आज वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम का प्रमुख हिस्सा बन गई है। इसका नेतृत्व 20 से 30 साल की उम्र के युवा नेता कर रहे हैं जो अपनी नेतृत्व क्षमता का विकास समाज सेवा के लिए करना चाहते हैं। सफल नेतृत्व रणनीति, उद्देश्य, जोखिम प्रबंधन, विचारों में नयापन, संगठन का प्रबंधन एवं अधीनस्थों पर पूर्ण विश्वास जैसे गुणों पर आधारित है। अपने एवं अपने साथियों के हौसले को बरकरार रखते हुए उनमें निरंतर आशा का संचार करना, उन्हें अपने लक्ष्य के लिए प्रेरित करते रहना तथा अपने अधीनस्थों के परामर्श को नज़रअंदाज न करके उस पर गंभीरता से विचार करना भी कुशल नेतृत्ववान के लक्षण हैं। प्रभावकारी नेतृत्व विपरीत परिस्थितियों में भी आगे आकर दबाव में अच्छा प्रदर्शन करते हैं और अपने दृढ़संकल्प एवं धीरज से उन प्रतिकूल परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में मोड़ लेते हैं।

4. विश्व भर के केन्द्रों में शेपर्स का चुनाव उनकी उपलब्धियों, नेतृत्व क्षमता और बदलाव लाने की दृढ़ इच्छा के आधार पर किया जाता है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि ये केंद्र अपने समुदायों की स्थिति सुधारने के लिए स्थानीय परियोजनाएं चला रहे हैं और शेपर्स अपने सदस्यों की असीम ऊर्जा और उनके उत्साह का उपयोग अधिक शांतिपूर्ण और समावेशी विश्व का निर्माण करने की सामूहिक

इच्छा के लिए कर रहे हैं। मैं बताना चाहूंगी कि यह लक्ष्य हमारे माननीय प्रधान मंत्री, नरेंद्र मोदीजी के नारे "सबका साथ, सबका विकास" के अनुरूप है।

5. मित्रो, मुझे युवा जोशीले लोगों के मंच, ग्लोबल शेपर्स कम्युनिटी की क्षमता पर पूरा विश्वास है, वह निश्चय ही हमारे देश के विकास और उसकी समृद्धि में अपना पूरा योगदान देगी। जैसा कि आप जानते हैं, हमारे देश की 27.5 प्रतिशत जनसंख्या 15 से 29 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं की है। इस समय हमारी सकल राष्ट्रीय आय में युवा लगभग 34 प्रतिशत का योगदान कर रहे हैं। इतिहास के पन्नों में झांककर देखें तो पता चलता है कि देश की आजादी हासिल करने से लेकर हालात को बेहतर बनाने वाली नयी प्रौद्योगिकियों का विकास करने तथा कला, संगीत और संस्कृति के नए रूप गढ़ने जैसे बदलाव केवल युवा ही ला सकते हैं।

6. भारत सरकार युवा विकास कार्यक्रमों को उच्च प्राथमिकता दे रही है और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रति वर्ष 90,000 करोड़ रुपये से भी अधिक निवेश कर रही है। इसके अलावा राज्य सरकार और अनेक अन्य हितधारक भी युवा विकास कार्यक्रमों के लिए सहायता देने और युवाओं की सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं। युवा विकास में निवेश के महत्व को समझते हुए, भारत सरकार ने राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 तैयार की है जिसका उद्देश्य युवाओं के विकास की भावी दिशा निर्धारित करना और ऐसे प्रमुख क्षेत्रों का पता लगाना है जिनमें कार्यवाही की आवश्यकता है। इस नीति में युवाओं के लिए समग्र दृष्टिकोण निहित है जिसका उद्देश्य देश के युवाओं को उनकी पूरी क्षमता के विकास के लिए शक्तिसम्पन्न बनाना और उनके माध्यम से भारत को विश्व समुदाय में उचित स्थान दिलाना है। यह एक मार्गदर्शी दस्तावेज है जिसकी 5 साल बाद समीक्षा की जायेगी ताकि सरकार आवश्यकतानुसार युवा विकास के लिए अपनी प्राथमिकताएं पुनःनिर्धारित कर सके। आशा है कि हमारे देश के युवा आने वाले दिनों में देश के आर्थिक विकास में भरपूर योगदान करेंगे।

7. स्वामी विवेकानंद ने कहा था- "मेरी भविष्य की आशा चरित्रवान - बुद्धिमान, दूसरों की सेवा के लिए अपना सर्वस्व त्याग करने वाले और आज्ञाकारी युवाओं पर टिकी है। ऐसे युवा जो अपना जीवन न्यौछावर कर सकते हैं और अपना तथा पूरे देश का भला कर सकते हैं।" इस प्रकार सभी क्षेत्रों में युवाओं के विकास को सहारा और बढ़ावा देना देश के समग्र विकास के लिए आवश्यक है।

8. मित्रो, इन सब बातों को देखते हुए ग्लोबल शेपर्स कम्युनिटी के इंदौर केंद्र का शुभारम्भ और भी ख़ास हो जाता है क्योंकि इससे देश में युवा विकास के कार्य को बढ़ावा मिलेगा। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि इंदौर केन्द्र विकसित हो रहा है और इंदौर के लोगों को अपनी शेपर नामांकन

प्रक्रिया में शामिल कर रहा है। यह संतोष की बात है कि इंदौर केन्द्र गंदी बस्ती, ग्रामीण स्वास्थ्य, सुविधाविहीन वर्गों के लिए प्राथमिक स्कूलों में कम्प्यूटर साक्षरता, लड़कियों के लिए शौचालय और खुले में शौच जैसे मुद्दे चुनकर उनके समाधान के लिए परियोजनाएं चलाएगा। भारत विभिन्न क्षेत्रों में तीव्र गति से विकास कर रहा है और हमारी सफलताओं को पूरी दुनिया में स्वीकार किया जा रहा है और उसकी सराहना की जा रही है। आशा है कि भारत में ग्लोबल शेपर्स कम्युनिटी के 24 केंद्र प्रगति और विकास के प्रयासों को और बढ़ावा देंगे।

9. मैं इंदौर केंद्र के शेपर्स को बधाई देती हूँ और उनके भावी प्रयासों में सफलता की कामना करती हूँ।

धन्यवाद।